[165] Seat No: _____ No. of printed page: 1

SARDAR PATEL UNIVERSITY
M. A. (III - Semester) Examination
Monday, 22nd October 2018
2.00 pm - 5.00 pm
PA03CHIN21 : Hindi
(भारतीय काव्यशास्त्र और हिन्दी आलोचना)

कुल गुण : ७०

प्र.१ भरत मुनि के 'रससूत्र' का अर्थ समझाते हुए उसके व्याख्याता आचार्यों के मतों पर विचार कीजिए । (१८)

अथवा

प्र.१ 'ध्वनि' को परिभाषित करते हुए उसके प्रमुख भेदों को सोदाहरण समझाइए । (१८)

प्र.२ आचार्य भामह और आचार्य दण्डी की अलंकार संबंधी मान्यताओं को स्पष्ट करते हुए उसके भेदों की चर्चा कीजिए । (१७)

अथवा

प्र.२ आचार्य कुन्तक की वक्रोक्ति संबंधी अवधारणा पर विचार करते हुए उसके प्रारंभिक तीन भेदों (वर्ण वक्रता, पद पूर्वार्द्ध और पद परार्द्ध वक्रता) को उदाहरण के साथ समझाइए । (१७)

प्र.३ हिन्दी कवि आचार्यों के काव्यशास्त्रीय चिन्तन के विकास पर एक निबंध लिखिए । (१७)

अथवा

प्र.३ डॉ. रामविलास शर्मा के आलोचनात्मक ग्रंथों के नाम बताते हुए उनका संक्षेप में परिचय दीजिए । (१७)

प्र.४ टिप्पणी लिखिए –

(क) विभाव और अनुभाव (०९)

अथवा

रस संबंधी विशिष्टांग निरूपक ग्रंथ

(ख) सादृश्य मूलक अर्थालंकार (०९)

अथवा

आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की रस विषयक दृष्टि